Roll No. : | | | | | | | | | | |

कुल प्रश्नों की संख्या : 14]
Total No. of Questions : 14]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8
[Total No. of Printed Pages : 8

I-252010/810–A

विषय : हिन्दी

Subject : Hindi

समय : 3 घण्टे]
Time : 3 hours]

[पूर्णांक : 80
[Maximum Marks : 80

निर्देश :
- (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।
- (iii) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।
- (iv) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।
- (v) खण्ड-'ग' के 'आरोह' भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।
- (vi) खण्ड-'ग' के 'वितान' भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

(खण्ड-'क')

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर, इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"मनुष्य के साथ जीना-मरना सदा लगा रहता है। जन्म होता है, तो मृत्यु भी होगी, यह निश्चित है। किन्तु, राष्ट्र अमर है, इसकी आत्मा अमर है। राष्ट्र की शक्ति उसके नागरिक, उसकी संस्कृति, उसका साहित्य, उसकी

https://www.cgboardonline.com

परंपरा और उसकी ऐतिहासिक चेतना में है। नागरिकों की सबल एकता से राष्ट्र मजबूत होता है, उसकी आत्मा सशक्त और दीर्घजीवी होती है। जब तक राष्ट्र की आंतरिक एकता सुदृढ़ रहती है, उस पर कोई भी बाहरी शक्ति उँगली उठाने की हिम्मत नहीं करती, उसका अमरत्व बना रहता है, उसका पतन नहीं होता। लेकिन, जब उसकी आंतरिक शक्ति गृहकलह में पड़कर विशृंखल होने लगती है, तब उसका ह्रास अवश्यंभावी हो जाता है। किन्तु यह 'ह्रास' ह्रास ही है, 'राष्ट्र' का नाश नहीं। 'राष्ट्र' के साथ उसकी संस्कृति, साहित्य, परंपरा, कला, ऐतिहासिक चेतना—जैसे जो अमरतत्व हैं, वे किसी भी पतन के समय अपने नागरिकों को पुनः सचेत और प्रकृतिस्थ करते हैं और तब पहले से अधिक तीव्रता से वे नागरिक ही अपनी विशृंखलता को समाप्त कर एक हो जाते हैं, राष्ट्रमय हो जाते हैं।''

(i) राष्ट्र की मजबूती किससे है ? [2]

(ii) राष्ट्र की दो विशेषताएँ चुनकर लिखिए। [2]

(iii) राष्ट्र का ह्रास कब होने लगता है ? [2]

(iv) नागरिक कैसे राष्ट्रमय हो जाते हैं ? [2]

(v) 'विशृंखलता' का क्या आशय है ? [2]

(vi) 'ऐतिहासिक' में मूल शब्द बताइए। [1]

(vii) 'जीना-मरना' में कौन-सा समास है ? [1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर, संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

''कुछ तनिक ध्यान से सोचो, धरती किसकी हो पाई ?
बोलो ! युग-युग तक किसने, किसकी विरुदावलि गाई ?
आँसू से भाग्य पसीजा है, हे मित्र ! कहाँ इस जग में ?
नित यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते मग-मग में।

https://www.cgboardonline.com

मधुमास मधुर रुचिकर है, पर पतझर भी आता है।
जग रंगमंच का अभिनय, जो आता सो जाता है।
दुर्बल को सहज मिटाकर, चुपचाप समय खा जाता,
वीरों के ही गीतों को, इतिहास सदा दोहराता।
फिर क्या विषाद, भय, चिन्ता जो होगा सब सह लेंगे,
परिवर्तन की लहरों में जैसे होगा बह लेंगे।''

(i) समय किसे नष्ट कर देता है? [1]

(ii) इतिहास किसे याद रखता है और क्यों? [1]

(iii) प्रस्तुत काव्यांश में कौन-सा रस प्रधान है? [1]

(iv) 'मधुमास' किसे कहा गया है? [1]

(खण्ड-'ख')

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(i) पेरिस ओलंपिक में भारत

(ii) प्रदूषण—वैश्विक चुनौती

(iii) 'मीठे वचन तें, सुख उपजत चहुँ ओर'

(iv) साइबर की घातक दुनिया

प्रश्न-4 राज्य में रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र भर्ती शुरू कर शिक्षित बेरोजगारी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

सरकारी अस्पतालों में इलाज की चरमरायी व्यवस्था को सुधारने हेतु जिलाधीश महोदय का ध्यानाकर्षण करते हुए सुझाव पत्र लिखिए।

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(i) कार्टोग्राफ क्या है ? [1]

(ii) समाचार माध्यमों के तीन प्रकार कौन-कौन से हैं ? [1]

(iii) 'एंकर विजुअल' के विषय में बताइए। [1]

(iv) विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या होता है ? [1]

प्रश्न-6 नाटक का 'प्राण' किन्हें कहा जाता है ? नाटक लेखन में उनका क्या महत्व है ? [3]

अथवा

कविता कैसे बनती है ? कविता लेखन के संबंध में दो मत कौन-कौन से हैं ?

प्रश्न-7 "जैव विविधता पर संकट"—इस संदर्भ में आलेख लिखिए। [3]

अथवा

"भौतिकता की दौड़ में हारी नैतिकता"—इस पर फीचर लेखन कीजिए।

(खण्ड-'ग')—'आरोह'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

"मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ;
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता

https://www.cgboardonline.com

मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।
मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख-दु:ख दोनों में मग्न रहा करता हूँ;
जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव-मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।''

(i) 'स्वप्नों के संसार' से कवि का क्या आशय है? [2]

(ii) कवि सुख-दु:ख दोनों में कैसे मस्त रहता है? [2]

(iii) कवि ने संसार को अपूर्ण क्यों कहा है? [2]

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

''प्रात: नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने...।''

(i) काव्यांश के अलंकार सौंदर्य पर टिप्पणी लिखिए। [2]

(ii) प्रस्तुत काव्यांश में प्रयुक्त बिंब-योजना को समझाइए। [2]

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न–10 (i) 'पतंग' कविता का प्रतिपाद्य बताइए। [3]

(ii) कविता और बच्चों के खेल का समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं, तीन कारण लिखिए। [3]

प्रश्न–11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

''चैप्लिन का चमत्कार यही है कि उनकी फ़िल्मों को पागलखाने के मरीज़ों, विकल मस्तिष्क लोगों से लेकर आइंस्टाइन जैसे महान प्रतिभा वाले व्यक्ति तक कहीं एक स्तर पर और कहीं सूक्ष्मतम रसास्वादन के साथ देख सकते हैं। चैप्लिन ने न सिर्फ फ़िल्म कला को लोकतांत्रिक बनाया बल्कि दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण-व्यवस्था को तोड़ा। यह अकारण नहीं है कि जो भी व्यक्ति, समूह या तंत्र गैर बराबरी नहीं मिटाना चाहता वह अन्य संस्थाओं के अलावा चैप्लिन की फ़िल्मों पर भी हमला करता है। चैप्लिन भीड़ का वह बच्चा है जो इशारे से बतला देता है कि राजा भी उतना ही नंगा है जितना मैं हूँ और भीड़ हँस देती है। एक परित्यक्ता, दूसरे दर्जे की स्टेज अभिनेत्री का बेटा होना, बाद में भयावह गरीबी और माँ के पागलपन से संघर्ष करना, साम्राज्य, औद्योगिक क्रांति, पूँजीवाद तथा सामंतशाही से मगरूर एक समाज द्वारा दुरदुराया जाना—इन सबसे चैप्लिन को वे जीवन-मूल्य मिले जो करोड़पति हो जाने के बावजूद अंत तक उनमें रहे। अपनी नानी की तरफ से चैप्लिन खानाबदोशों से जुड़े हुए थे और यह एक सुदूर रूमानी संभावना बनी हुई है कि शायद उस खानाबदोश औरत में भारतीयता रही हो क्योंकि यूरोप के जिप्सी भारत से ही गए थे—और अपने पिता की तरफ से वे यहूदीवंशी थे। इन जटिल परिस्थितियों ने चार्ली को हमेशा एक 'बाहरी', 'घूमंतू' चरित्र बना दिया।'' https://www.cgboardonline.com

(i) चार्ली की पारिवारिक पृष्ठभूमि क्या थी ? [2]

(ii) चैप्लिन का घूमंतू चरित्र कैसे बना ? [2]

(iii) चैप्लिन ने फ़िल्मों में क्या चमत्कार किया ? [2]

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) निबंध के कौन-कौन से दो अंग हैं ? [1]

(ii) कहानी के किन-किन मोड़ों पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए ? [3]

(iii) डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 'समता' संबंधी क्या विचार हैं ? लिखिए। [3]

(iv) सर्वग्रासी काल की मार से बचते हुए वही दीर्घजीवी हो सकता है, जिसने अपने व्यवहार में जड़ता छोड़कर नित बदल रही परिस्थितियों में निरंतर अपनी गतिशीलता बनाए रखी है, 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

(खण्ड-'ग')—'वितान'

प्रश्न-13 ऐन के व्यक्तित्व की चार विशेषताएँ लिखिए। [4]

अथवा

आनंदा के अंधेरे जीवन में उजाला भरने वाले दो महान व्यक्तियों के योगदान को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न-14 **(क)** 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर उन जीवन मूल्यों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए, जो समय के साथ बदल रहे हैं। [4]

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' के अनुसार यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की चार विशेषताएँ लिखिए।

https://www.cgboardonline.com

(ख) भव्यता के आडंबर से दूर सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी। सिद्ध कीजिए। [4]

अथवा

पर्यटक मुअनजोदड़ो में क्या-क्या देख सकते हैं? 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर किन्हीं चार दृश्यों का परिचय दीजिए।

• • •

https://www.cgboardonline.com